ओ मेरे प्राण पिया,मैनें खता पे की है खता
तूने फिर भी लिया अपना,ये मेहर नही तो क्या
अगर तेरी मेहरें ना होती यहां
त्रैगुन फांस से मेरे राजजी मैं निकलती कहां

1--माया ने बुरी तरह मुझको उलझाया है
ऐसी हालत में कहीं चैन न आया है
कि मेहबूब की मेहर की नजर जब बरसने लगी

2--दुनिया के रिश्ते अब तो भारी लगते है
धनी के रस्ते की वो उलझन बनते है
कब होगा ये तय फासला
दीदार की रंगीन घड़ी जब आयेगी
कि महबूब की नजर पे नजर ठहर जायेगी

3--तेरी तड़प में मेरा आराम है
चरणों में मेरी निसबत का सामान है
इश्क दवा मिलती रहे,प्रीत वफा यूं ही खिलती रहें
धनी धाम की चाहत नया रंग लाएगी,मेरे राजदार से हर
खुशी संवर जाएगी

Nijanand App

4--तेरी मेहर का ना कोई शुमार है
अपनी कमी से होता दिल ख्वार है
तेरे आसरे पे मैं चलती रहूं,मेहरों के साये में पलती रहूं
वो भूली भटकी याद घर की फिर आयी है
तेरे इश्क की मेरे मेहरबां,एक लहर आयी है

5--कैसा मोहोल वो कैसा सिनगार है
कैसी वो मस्ती कैसी वो प्यार है
तरस गये नैन ,बरस रहे
मिलन की आलीशान घड़ी जब आयेगी ,इश्क की छटा
मेरे राज़ की न सही जाएगी

Nijanand App